an>

Title: Need to take steps to release arrears to sugarcane growers.

श्री हुकुम सिंह (कैराना) : मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे लाखों किसानों की बात कहने का अवसर प्रदान किया है। दो महीने के बाद गन्ने का नया पेराई सत्र शुरू होने वाला है, लेकिन दुर्भाग्य से अभी तक पुरानी पेमैंट भी नहीं हुई है। केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दो हजार करोड़ रुपये शेÂष हैं। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इस बार मिल वालों ने शोषण किया है। गन्ने की साढ़े चौदह प्रतिशत रिकवरी हुई, इसके बावजूद उन्होंने पेमैंट नहीं की। मुज़फ्फरनगर, शामली, सहारनपुर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, मुरादाबाद के सारे किसान आज हाहाकार मचा रहे हैं कि अब तक उनकी पेमैंट नहीं हुई है।...(व्यवधान) मैं आपसे केवल इतना कहना चाहता हूं कि मिल वाले चीनी 40 रुपये किलो बेच रहे हैं जबकि पहले 22 रुपये किलो थी। किसानों का शोषण किया गया है। कोई भी मिल ऐसी नहीं है जो नुकसान में है।

माननीय अध्यक्ष :

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री राघव लखनपाल और

श्री रोड़मल नागर को श्री हुकुम सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।